वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 272 | मंगलवार 24 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

ग्राम संसद कार्यक्रम में राज्यपाल ने किया सम्बोधित

सुनियोजित योजना बनाकर हो गांवों का विकास: बागड़े

सरपंच गाँव के विकास कार्यकर्ता के साथ भारत विकास के संवाहक बने

सरपंच गाँव के सुख दुख के सहभागी ही नहीं वहां के विकास के सच्चे भागीरथ बने

गांवों का विकास सुनियोजित योजना बनाकर किया जाए

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सरपंच गाँव के विकास कार्यकर्ता के साथ भारत विकास के संवाहक बने।

उन्होंने कहा कि राजस्थान धर्म धरा है। यहां गौपालन की परम्परा गांव - गांव है। नंदी संरक्षण के लिए भी अब काम होना चाहिए। उन्होंने गांवों का विकास सुनियोजित योजना बनाकर किए जाने का भी आह्वान किया। उन्होंने सरपंचों को गांवों में विद्यालय और सार्वजनिक स्थलों के भवनों की स्थिति पर निगरानी रखने, गांवों के विद्यालयों के प्रभावी संचालन और बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिये जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा बच्चों की बौद्धिक क्षमता निर्माण की नींव है। इस पर सभी स्तरों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए। उन्होंने गांवों में बच्चों का आत्मविश्वास जगाने और उन्हें सिविल सेवाओं और उच्च पदों की परीक्षाओं के लिए आरम्भ से ही मन से तैयार किए जाने के लिए कार्य करने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान को इस बात का गौरव है कि देश में यहां सबसे पहले पंचायत राज व्यवस्था नागौर के एक गांव से प्रारंभ हुई। उन्होंने पंचायतराज व्यवस्था को ग्राम लोकतंत्रीकरण के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राजस्थान में जब भैरोंसिंह शेखावत मुख्यमंत्री थे तो गांवों के विकास की महत्वपूर्ण योजनाओं की पहल की। उन्होंने कहा कि सरपंच गांव विकास की सशक्त कड़ी है। सरपंच गाँवों में मार्ग खुलवाने, सड़क निर्माण, आवास और हर घर जल के अंतर्गत निरंतर कार्य करें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने हर घर जल की योजना की ऐतिहासिक पहल इसलिए की है कि गांव के हर घर में पानी पहुंच सके।

सरपंच गांव के विकास के सच्चे भागीरथ बने

राज्यपाल बागड़े सोमवार को एक निजी होटल में ग्राम संसद कार्यक्रम में सरपंच संवाद में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरपंच गाँव के सुख - दुख के सहभागी ही नहीं वहां के विकास के सच्चे भागीरथ बने। गाँव विकास के लिए ग्राम पंचायतें इस बात का ख्याल रखें कि जिन्हें आवश्यकता है, जो वंचित और पिछड़े हैं, उन्हें सही मायने में उनका लाभ मिले। उन्होंने सरपंचों को गांवों में जल, विद्युत आदि की सर्वसुलभता सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध होकर कार्य किए जाने पर जोर दिया।

एक करोड़ पेड़ किसी सरपंच द्वारा लगाना और लगने के बाद उनका संरक्षण प्रेरणादायी

राज्यपाल ने पिपलांत्री पंचायत समिति में बच्चियों के जन्म लेने पर पेड़ लगाने की चर्चा करते हुए कहा कि इस तरह से एक करोड़ पेड़ किसी सरपंच द्वारा लगाना और लगने के बाद उनका संरक्षण प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि आज भारत में 2 लाख 55 हजार ग्राम पंचायतें हैं। राजस्थान में 11 हजार 266 ग्राम पंचायतें हैं। इन सबका विकास यदि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनेगी तभी भारत तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ सकेगा। उन्होंने गांव के लोगों के प्रति श्रद्धा रखकर सरपंचों को काम करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने इससे पहले गांवों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विशिष्टजनों को सम्मानित भी किया।

तीर्थराज पुष्कर में आकर आत्मशुद्धि का प्रयास करना चाहिए: पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

बागेश्वर बाबा की हनुमंत कथा का भव्य आगाज, दिव्य दरबार आज, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे शामिल

पुष्कर. शाबाश इंडिया

तीर्थराज पुष्कर के नए मेला मैदान में सोमवार से बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तीन दिवसीय भव्य हनुमंत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा के पहले ही दिन श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। लाखों की संख्या में भक्त बाबा बागेश्वर के दर्शन और कथा श्रवण के लिए पहुंचे। आयोजन स्थल पर सुबह से ही धार्मिक उत्साह और आस्था का वातावरण बना रहा। कथा के प्रथम दिवस प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत तथा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने उपस्थिति दर्ज कराई। आयोजक गौरी शंकर शर्मा और पवन शर्मा ने भगवान हनुमान तथा कथा पीठ की आरती कर कथा का विधिवत शुभारंभ कराया और पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का अभिनंदन किया।

विवेक के बिना बल और बुद्धि निरर्थक: धीरेंद्र शास्त्री

करीब तीन घंटे से अधिक समय तक चली कथा में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने जीवन दर्शन और सनातन मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य की सिद्धि के लिए बल, बुद्धि और विवेक तीनों आवश्यक हैं, किंतु विवेक के बिना बल और बुद्धि व्यर्थ हो जाते हैं। विवेक सत्संग और संतों के सान्निध्य से प्राप्त होता है। जहां हनुमान हैं, वहां स्वयं श्रीराम का वास होता है और हनुमान भक्ति ही आत्मकल्याण का मार्ग है। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में काम-काज आवश्यक है, परंतु समय निकालकर रामकाज करना भी उतना ही जरूरी है। काम के साथ राम का नाम जुड़ जाए तो जीवन धन्य हो जाता है और तभी वास्तविक रामराज्य की स्थापना संभव है। हनुमंत कथा के दूसरे दिन मंगलवार को भव्य दिव्य दरबार सजाया जाएगा, जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के शामिल होने की संभावना है। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। पुष्कर में हेलीपैड और सेफ हाउस की व्यवस्था की जा रही है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री 28 फरवरी को कायड़ विश्राम स्थली पर प्रस्तावित सभा की तैयारियों का भी जायजा ले सकते हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की संभावना है। हालांकि मुख्यमंत्री के दौरे का आधिकारिक कार्यक्रम अभी जारी नहीं किया गया है।

मानसरोवर से 125 यात्रियों का दल सम्मेद शिखरजी रवाना

चन्द्रप्रभु भगवान का मनाया जाएगा मोक्ष कल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर के सेक्टर-6, हीरा पथ स्थित श्री जैन यात्रा संघ के तत्वावधान में शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखरजी की वन्दना हेतु 125 श्रद्धालुओं का दल 20 फरवरी 2026 को उत्साहपूर्वक प्रस्थान कर चुका है। संघ द्वारा आयोजित यह आठवीं शिखरजी यात्रा है, जिसमें भक्ति और आध्यात्म का विशेष संगम देखने को मिलेगा।

धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन

यात्रा संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यह यात्रा गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञा श्री माताजी ससंघ के मंगल आशीर्वाद से आयोजित की जा रही है। यात्रा के दौरान प्रतिष्ठाचार्य श्री विमल कुमार जैन (बनेठा वाले) के पावन सानिध्य में सम्मेद शिखरजी की पावन धरा पर 'सिद्धचक्र महामण्डल विधान' का भव्य आयोजन किया जाएगा। यात्रा का मुख्य आकर्षण ललित कूट (टोक) पर भगवान चन्द्रप्रभु का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाना होगा, जहाँ सभी यात्री भक्तिभाव से अर्घ्य समर्पित करेंगे।

कामां : 75 दिनों के प्रवास उपरांत सजल नेत्रों से आचार्य विनीत सागर महाराज को दी विदाई

कामां (डीग). शाबाश इंडिया। विजयमती त्यागी आश्रम में पिछले 75 दिनों से प्रवास कर रहे दिगंबर आचार्य विनीत सागर महाराज एवं मुनि अर्पण सागर महाराज को सकल दिगंबर जैन समाज ने अश्रुपूरित नेत्रों से विदाई दी। विदाई से पूर्व आयोजित धर्मसभा में श्रद्धालुओं ने गुरुओं के वात्सल्य और सरल स्वभाव की सराहना की।

पंथवाद छोड़ सन्तों की सेवा ही धर्म

सभा को संबोधित करते हुए आचार्य विनीत सागर ने 75 दिनों के प्रवास को 'सप्त व्यसन' और 'पांच पापों' के त्याग का प्रतीक बताया। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा, पंथवाद और संतवाद को छोड़कर वीतरागी व हितोपदेशी संतों की सेवा करना ही श्रावक का सच्चा कर्तव्य है। राग-द्वेष व्यक्ति के अस्तित्व को समाप्त कर देते हैं, जबकि धर्म के मार्ग पर चलने वालों का व्यक्तित्व जीवंत रहता है। समाज के अध्यक्ष अनिल जैन और संयोजक संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि आचार्य संघ ने कामां समाज के संस्कारों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए।

शरीर को स्वस्थ रखने में मददगार घरेलू नुस्खे

मौसमी खाँसी के लिये सेंधा नमक

लगभग 5 ग्राम सेंधा नमक की डली को चिमटे से पकड़कर आग, गैस या तवे पर अच्छी तरह गर्म कर लें। जब डली लाल होने लगे, तब उसे तुरंत आधा कप पानी में डुबोकर निकाल लें और नमकीन गर्म पानी एक ही बार में पी जाएँ। सोते समय लगातार दो-तीन दिन इसका सेवन करने से खाँसी, विशेषकर बलगमी खाँसी में आराम मिलता है। नमक की डली को सुखाकर सुरक्षित रखें, एक ही डली का बार-बार प्रयोग किया जा सकता है।

मुलेठी का चूर्ण

मुलेठी के चूर्ण को पान के पत्ते में रखकर खाने से बैठा हुआ गला ठीक हो जाता है। या सोते समय लगभग एक ग्राम मुलेठी चूर्ण मुँह में रखकर कुछ देर चबाएँ और फिर वैसे ही मुँह में रखकर सो जाएँ। प्रातःकाल तक गला साफ हो जाता है।

मुँह और गले के कष्टों के लिये सौंफ व मिश्री

भोजन के बाद दिन में दो बार आधा चम्मच सौंफ चबाने से मुँह की कई समस्याएँ और सूखी खाँसी दूर होती है। बैठी हुई आवाज खुलती है, गले की खुश्की दूर होती है तथा आवाज मधुर बनती है।

खराश या सूखी खाँसी के लिये अदरक और गुड़

गले में खराश या सूखी खाँसी होने पर पिसी हुई अदरक में गुड़ और घी मिलाकर सेवन करें। गुड़ और घी के स्थान पर शहद का प्रयोग भी किया जा सकता है।

पेट के कीड़ों के लिये अजवायन और काला नमक

बच्चों के लिये आधा ग्राम अजवायन चूर्ण में स्वादानुसार काला नमक मिलाकर रात में गर्म पानी के साथ दें। बड़ों के लिये चार भाग अजवायन चूर्ण में एक भाग काला नमक मिलाकर लगभग दो ग्राम मात्रा सोने से पहले गर्म पानी के साथ लें।

अरुचि (भूख न लगने) के लिये मुनक्का, हरड़ और चीनी

बराबर मात्रा में मुनक्का (बीज निकालकर), हरड़ और चीनी को पीसकर चटनी बना लें। पाँच-छह ग्राम (एक छोटा चम्मच) में थोड़ा शहद मिलाकर भोजन से पहले दिन में दो बार सेवन करें।

बदन दर्द के लिये कपूर और सरसों का तेल

10 ग्राम कपूर और 200 ग्राम सरसों का तेल शीशी में भरकर अच्छी तरह बंद कर दें और धूप में रखें। जब दोनों एकरस होकर घुल जाएँ, तब इस तेल से मालिश करें।

जोड़ों के दर्द के लिये बथुए का रस

बथुए के ताजे पत्तों का लगभग 15 ग्राम रस प्रतिदिन पीने से गठिया में लाभ मिलता है। इसमें नमक या चीनी न मिलाएँ। इसे प्रातः खाली पेट या शाम चार बजे लें। दो-तीन माह तक नियमित सेवन करें।

पेट में गैस के लिये मट्ठा और अजवायन

भोजन के बाद 125 ग्राम दही के मट्ठे में दो ग्राम अजवायन और आधा ग्राम काला नमक मिलाकर सेवन करें। आवश्यकता अनुसार एक से दो सप्ताह तक लें।

फटे हाथ-पैर और होंठों के लिये सरसों या जैतून का तेल

नाभि में प्रतिदिन सरसों का तेल लगाने से होंठ नहीं फटते तथा फटे होंठ मुलायम हो जाते हैं। इससे नेत्रों की खुजली और खुश्की में भी राहत मिलती है।

सर्दी, बुखार और साँस के पुराने रोगों के लिये तुलसी

तुलसी की 21 पत्तियों को स्वच्छ खरल में चटनी की तरह पीस लें और 10-30 ग्राम मीठे दही में मिलाकर प्रतिदिन प्रातः खाली पेट तीन माह तक सेवन करें। यदि दही अनुकूल न हो तो शहद मिलाकर लें। छोटे बच्चों को आधा ग्राम तुलसी चटनी शहद में मिलाकर दी जा सकती है।

अधिक क्रोध के लिये आँवला मुरब्बा और गुलकंद

अधिक क्रोध आने पर सुबह एक आँवले का मुरब्बा खाएँ। शाम को एक चम्मच गुलकंद खाकर ऊपर से दूध पी लें।

– डॉ. पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेद विशेषज्ञ
एक्यूप्रेशर सेवा समिति, जयपुर

108 श्री विनम्र सागर जी महाराज ने विराट हिंदू सम्मेलन को किया संबोधित

शाबाश इंडिया

फाल्गुन कृष्ण पंचमी के पावन अवसर पर पूज्यपाद आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम आज्ञानुवर्ती शिष्य पूज्य 108 श्री विनम्र सागर जी महाराज ससंघ ने महावीर पार्क में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए समाज को आत्मचिंतन एवं व्यसनमुक्ति का संदेश दिया। प्रातःकाल पूज्य गुरुदेव भट्टारक जी की नसिया से पारसनाथ भवन पधारे, जहाँ उनकी आहारचर्या विधिपूर्वक सम्पन्न हुई। इसके पश्चात वे सम्मेलन स्थल महावीर पार्क पहुँचे, जहाँ श्रद्धालुओं ने उनका भावभीना स्वागत किया। कार्यक्रम में महावीर बस्ती शाखा एवं मुरली मनोहर बस्ती के अधिकारी श्री अशोक शर्मा ने बालक-बालिकाओं को धर्म एवं संस्कृति से जोड़ने पर विशेष बल दिया। मंच संचालन डॉ. माधुरी जैन एवं रमेश गंगवाल ने किया। अपने ओजस्वी उद्बोधन में पूज्य गुरुदेव ने कहा कि भारत में सनातन धर्म मानने वालों की संख्या अत्यधिक है, किन्तु लगभग 35 करोड़ लोग गुटखा जैसे व्यसनों के शिकार हैं। यदि ये लोग व्यसन त्यागने का संकल्प लें, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन के साथ राष्ट्र निर्माण की नई ऊर्जा उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने गोसंरक्षण पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक मंदिर एक गौ माता के पालन-पोषण की जिम्मेदारी ले, तो गोवंश तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। गुरुदेव ने समाज से संगठित और उत्तरदायी प्रयासों का आह्वान किया। सम्मेलन के अंत में अध्यक्ष श्री भगवानदास रावत ने आभार व्यक्त किया। रोहित शर्मा एवं अनूप खंडेलवाल ने पूज्य गुरुदेव ससंघ एवं अतिथियों का अभिनंदन किया।

– रमेश गंगवाल,
प्रचार मंत्री

पंचकल्याणक वेदी शिलान्यास समारोह श्रद्धापूर्वक सम्पन्न

मुकेश जैन लार, टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

निकटवर्ती श्री दिगंबर जैन मंदिर लार में रविवार को पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत पंचकल्याणक वेदी शिलान्यास समारोह श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल नित्य नियम अभिषेक एवं विश्व में सुख, शांति और समृद्धि की कामना से आयोजित वृहद महाशांतिधारा से हुई, जिसके पश्चात विधिवत पूजन सम्पन्न कराया गया। समस्त धार्मिक अनुष्ठान बा.ब्रा. प्रतिष्ठाचार्य संजय जैन गुणाशीष (अहार) एवं पंडित कमल कुमार शास्त्री, लार के निर्देशन में विधि-विधानपूर्वक सम्पन्न हुए। महोत्सव के मीडिया प्रभारी मुकेश जैन ने बताया कि पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में 28 मार्च से 2 अप्रैल तक श्री 1008 मज्जिनेंद्र पंचकल्याणक मानस्तंभ जिनबिंब प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। दोपहर में भव्य घटयात्रा निकाली गई, जिसमें महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर भक्ति भजनों के साथ कार्यक्रम स्थल तक मंगल यात्रा निकाली। ध्वजारोहण एवं भूमि शुद्धि के उपरांत प्रतिष्ठाचार्य द्वारा मंत्रोच्चार के साथ धर्मावलंबियों की उपस्थिति में पंचकल्याणक वेदी का शिलान्यास सम्पन्न हुआ। प्रतिष्ठाचार्य संजय जैन गुणाशीष ने अपने संबोधन में कहा कि पुण्यात्माओं की संपत्ति सदैव पुण्य कार्यों में लगती है। तीव्र पुण्य के उदय होने पर ही व्यक्ति दान एवं धार्मिक महोत्सवों में सहभागी बनने का अवसर प्राप्त करता है। आयोजन को सफल बनाने में श्रीमती लक्ष्मी राकेश गिरि, श्रीमती डोली जैन, रामलखन गौतम सरपंच, डॉ. इंद्राकुमार जैन, प्रो. राकेश जैन सहित महोत्सव समिति एवं मंदिर कमेटी के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में टीकमगढ़ सहित आसपास के कई क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नौगामा: मुनि श्री के सानिध्य में श्रद्धापूर्वक मनाया गया भगवान मल्लिनाथ का मोक्ष कल्याणक

नौगामा (बांसवाड़ा). शाबाश इंडिया

स्थानीय जैन समाज द्वारा 19वें तीर्थंकर भगवान मल्लिनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े ही भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आदिनाथ मंदिर, भगवान महावीर समवशरण मंदिर और सुखोदय तीर्थ नसिया जी में विशेष शांतिधारा एवं अभिषेक के मांगलिक कार्यक्रम मुनि श्री के पावन सानिध्य में संपन्न हुए।

अभिषेक और निर्वाण लाडू का सौभाग्य:

शांतिधारा एवं अभिषेक करने का प्रथम सौभाग्य नीलेश मेहता (बड़ौदा) और अनिल जैन (मुंबई) को प्राप्त हुआ। भगवान मल्लिनाथ के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य भी मुंबई के श्रद्धालुओं को मिला।

धार्मिक अनुष्ठान और पाठशाला के बच्चों की सहभागिता

जैन पाठशाला के बच्चों ने कुसुमलता नानावटी और वीणा दीदी के निर्देशन में वाद्य यंत्रों की मधुर स्वर लहरियों के बीच भगवान मल्लिनाथ की पूजन की। इस दौरान उत्साही छात्रों को कैलाश मोदी (पंचोरी) की ओर से पारितोषिक वितरित किए गए।

मुनि श्री के मंगल प्रवचन

इस अवसर पर मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान मल्लिनाथ का मोक्ष सम्मेद शिखरजी की पावन धरा से हुआ था और कलश उनका पवित्र चिह्न है। मुनि श्री ने लघु सम्मेद शिखर की वंदना करते हुए कहा कि तीर्थ क्षेत्र साधु-संतों के लिए साधना का स्थल होते हैं। उन्होंने आशीर्वाद दिया कि सुखोदय तीर्थ पर नवनिर्माणाधीन भगवान मुनिसुव्रतनाथ का जिनालय शीघ्र पूर्ण हो और वहां प्रभु की प्रतिमा विराजमान हो।

भक्तांबर पाठ से गूंजा मंदिर

सायंकाल मंदिर में 48 दीप प्रज्वलित कर भक्तांबर पाठ का आयोजन किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। जैन समाज के प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि संपूर्ण आयोजन के दौरान स्थानीय एवं बाहरी श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया।

दुनिया

गिरगिट से भी तीव्र गति से रंग बदलते ट्रंप

सनत जैन

वर्तमान में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संपूर्ण विश्व में चर्चा और कौतूहल का विषय बने हुए हैं। पिछले एक वर्ष के दौरान उनके द्वारा लिए गए अनपेक्षित निर्णयों ने न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया में अनिश्चितता का वातावरण निर्मित कर दिया है। ट्रंप की कार्यशैली को देखते हुए अब कूटनीतिक गलियारों में यह कहा जाने लगा है कि गिरगिट भी अपना रंग बदलने में समय लेता है, किंतु ट्रंप के निर्णय उससे भी अधिक तीव्र गति से बदल जाते हैं। हाल ही में अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए आयात शुल्कों (टैरिफ) को अवैधानिक करार देते हुए निरस्त कर दिया था। न्यायालय का मानना था कि ये शुल्क स्थापित नियमों के विरुद्ध हैं। किंतु, इस निर्णय के कुछ ही घंटों के भीतर राष्ट्रपति ने अपनी हठधर्मिता का परिचय देते हुए एक नया आदेश जारी कर दिया। शुक्रवार को उन्होंने 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की, जिसे शनिवार होते-होते बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया। आगामी 150 दिनों तक दुनिया के अधिकांश देशों को अब अमेरिका में माल भेजने के लिए 15 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क चुकाना होगा। इस निर्णय की आंच भारत तक भी पहुँच रही है। यद्यपि भारत के औषधि (फार्मा) और पेट्रो रसायनों पर 3 प्रतिशत शुल्क का प्रावधान है, किंतु अन्य सभी निर्यातों पर अब 15 प्रतिशत की भारी मार पड़ेगी। भारत के संदर्भ में ट्रंप का रवैया अत्यंत अस्थिर रहा है। पहले उन्होंने 50 प्रतिशत शुल्क की बात की, फिर अंतरिम व्यापार समझौते के समय इसे घटाकर 18 प्रतिशत किया, इसके बाद 10 प्रतिशत और अब अंततः इसे 15 प्रतिशत पर ला टिकाया है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप जिस दिशा में अमेरिका को ले जा रहे हैं, उससे तात्कालिक लाभ भले ही दिख रहा हो, परंतु दीर्घकाल में यह अमेरिकी साख को गहरा आघात पहुँचा रहा है। ट्रंप की इन नीतियों का सबसे भयावह दुष्प्रभाव स्वयं अमेरिका पर ही पड़ रहा है। वहां महंगाई निरंतर बढ़ रही है और आम जनता त्रस्त है।

संपादकीय

तकनीकी महाशक्ति बनने की ओर कदम

हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) सम्मेलन ने भारत की तकनीकी दिशा और डिजिटल भविष्य को लेकर एक नई और सार्थक बहस छेड़ दी है। इस भव्य आयोजन में नीति-निर्माताओं, दिग्गज तकनीकी कंपनियों, नवोन्मेषी उपक्रमों (स्टार्टअप्स), शिक्षाविदों और वैश्विक विशेषज्ञों ने एक मंच पर आकर भारत के भविष्य के मार्ग पर मंथन किया। यह आयोजन एक ऐसे

महत्वपूर्ण मोड़ पर हुआ है, जब पूरी दुनिया कृत्रिम मेधा से उत्पन्न अवसरों और इसकी नैतिक चुनौतियों के बीच संतुलन तलाश रही है। सम्मेलन में केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने भारत को वैश्विक ''तकनीकी केंद्र'' बनाने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। भारत सरकार का नीति आयोग पहले ही ''सभी के लिए कृत्रिम मेधा'' और ''उत्तरदायी तकनीक'' के सिद्धांतों पर एक व्यापक रूपरेखा तैयार कर चुका है। डिजिटल परिवर्तन के इस दौर में, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई नई पहलों और निधियों की घोषणा की है। चर्चा का मुख्य केंद्र यह था कि कैसे इन सरकारी रणनीतियों को धरातल पर उतारकर आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाया जाए। विशेषज्ञों का दृढ़ विश्वास है कि यह तकनीक केवल एक यंत्र नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का वाहक है। इसके प्रभाव को मुख्य रूप से चार क्षेत्रों में देखा जा रहा है: स्वास्थ्य सेवा: तकनीक आधारित नैदानिक प्रणालियां ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में चिकित्सकों की कमी को दूर कर सकती हैं। यह तकनीक कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की शुरूआती पहचान में मील का पत्थर साबित हो रही है। कृषि: स्मार्ट विश्लेषण के माध्यम से किसानों को मौसम का सटीक पूर्वानुमान, मृदा की गुणवत्ता और बाजार की कीमतों की तत्काल जानकारी मिल सकेगी, जिससे 'सटीक खेती' को बढ़ावा मिलेगा। शिक्षा: इस तकनीक के जरिए छात्रों को उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के हिसाब से शिक्षा प्रदान की जा सकती है, जिससे सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी। न्याय व्यवस्था: कानूनी दस्तावेजों के त्वरित विश्लेषण और लंबित मामलों को कम करने में यह तकनीक अत्यंत सहायक सिद्ध हो सकती है। जहां एक ओर संभावनाएं अपार हैं, वहीं सम्मेलन में आंकड़ा गोपनीयता (डेटा प्राइवेसी), साइबर सुरक्षा और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर गंभीर चिंताएं भी व्यक्त की गईं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि एक स्पष्ट नियामक और नैतिक ढांचे के बिना इस तकनीक का दुरुपयोग खतरनाक हो सकता है। भ्रामक चित्रण (डीपफेक), भ्रामक समाचार और कलनविधि पक्षपात (एल्गोरिदमिक बायस) जैसी समस्याएं न केवल व्यक्तिगत गरिमा बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी बड़ी चुनौती हैं। अतः, नवाचार और सुरक्षा के बीच एक महीन रेखा खींचना अनिवार्य है। भारतीय नवोन्मेषी उपक्रमों के लिए यह सम्मेलन एक संजीवनी की तरह रहा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पितृ-देवो भव:

संजय गोस्वामी

भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में माता-पिता की सेवा को केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि मोक्ष का द्वार और सबसे बड़ा धर्म माना गया है। हमारे शास्त्रों में स्पष्ट उल्लेख है कि संतान के जीवन में माता-पिता का स्थान ईश्वर से भी ऊपर है। पुत्रों पर विशेष रूप से यह उत्तरदायित्व सौंपा गया है कि वे अपने माता-पिता की वृद्धावस्था में उनका संबल बनें। माता-पिता की सेवा के महत्व को समझने के लिए हमें 'ऋणानुबंध' के सिद्धांत को समझना होगा। माता-पिता हमें जन्म देते हैं, हमारा पालन-पोषण करते हैं और अपनी सुख-सुविधाओं का त्याग कर हमें शिक्षित और योग्य बनाते हैं। संतान पर उनका यह ऋण इतना बड़ा होता है कि जीवनभर की सेवा से भी इसे पूर्णतः चुकाया नहीं जा सकता। धार्मिक दृष्टिकोण से भी माता-पिता की सेवा एक अत्यंत पवित्र कार्य है। पुराणों के अनुसार, जो पुत्र अपने माता-पिता के चरणों में शीश नवाता है और उनकी आज्ञा का पालन करता है, उसे चारों धामों की यात्रा के समान पुण्य प्राप्त होता है। भगवान श्रीराम का उदाहरण हमारे सामने है, जो अपने पिता के वचनों को निभाने के लिए सहर्ष चौदह वर्षों के वनवास पर चले गए। उनकी यह पितृ-भक्ति आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

सेवा का वास्तविक अर्थ और स्वरूप

माता-पिता की सेवा का अर्थ केवल उनकी शारीरिक देखभाल तक सीमित नहीं है।

आज्ञापालन और सम्मान: उनकी इच्छाओं और भावनाओं का आदर करना तथा उनके बताए सन्मार्ग पर चलना।

सुख-सुविधा का ध्यान: उनकी हर छोटी-बड़ी आवश्यकता और स्वास्थ्य का ख्याल रखना, विशेषकर तब जब वे असहाय हों।

समय और संवाद: आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में माता-पिता के पास बैठकर उनकी बातें सुनना और उनके अनुभवों से सीखना सबसे बड़ी सेवा है।

पारिवारिक सामंजस्य: परिवार के अन्य ज्येष्ठ सदस्यों का आदर करना और घर में ऐसा वातावरण बनाना जहाँ माता-पिता को उपेक्षित महसूस न हो।

आधुनिक चुनौतियां और हमारा दायित्व

आज के समय में जीवनशैली में भारी बदलाव आया है। करियर की दौड़ और आधुनिकता की चकाचौंध में कई बार युवा अपने मूल संस्कारों को भूल जाते हैं। यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस संतान के भविष्य के लिए माता-पिता ने अपनी इच्छाओं का गला घोंटा, वही संतान सक्षम होने पर उनकी सेवा के औचित्य पर प्रश्न उठाती है। हमें यह याद रखना चाहिए कि कल हम भी उसी वृद्धावस्था की दहलीज पर होंगे। जैसा व्यवहार हम आज अपने माता-पिता के साथ करेंगे, भविष्य में हमारी संतान भी हमसे वैसा ही व्यवहार करेगी।

नैतिक-सामाजिक समावेश

एक आदर्श पुत्र का यह भी उत्तरदायित्व है कि वह अपने जीवनसाथी को भी माता-पिता के सम्मान की शिक्षा दे। घर का वातावरण तभी स्वर्ग बन सकता है जब परिवार का हर सदस्य बुजुर्गों की गरिमा को समझे। माता-पिता का आशीर्वाद ही वह कवच है जो मनुष्य को जीवन की हर बाधा से बचाता है। दिल्ली के इस आधुनिक परिवेश में जहाँ हम तकनीकी रूप से आगे बढ़ रहे हैं, हमें अपनी जड़ों को नहीं भूलना चाहिए।

दीक्षा से मंच, लंच, ड्रेस और एड्रेस बदल जाता है : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

धामनोद से दीपक प्रधान की रिपोर्ट

जयपुर निवासी 78 वर्षीय पंचप्रतिमाधारी श्री मुन्नालाल जी ने आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के सान्निध्य में मुनि दीक्षा ग्रहण कर सांसारिक जीवन का त्याग करते हुए संयम मार्ग को अपनाया। दीक्षा समारोह श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। दीक्षा मंच पर आचार्य श्री सहित अन्य साधु-संतों द्वारा दीक्षार्थी के केशलोच की पावन प्रक्रिया सम्पन्न कराई गई। इस अवसर पर मुनि श्री हितेंद्र सागर जी ने प्रेरणादायी प्रवचन देते हुए संयम जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला। जानकारी देते हुए राजेश पंचोलिया ने बताया कि आचार्य श्री ने अपने सिद्धहस्त करकमलों से दीक्षार्थी के मस्तक एवं हाथों पर जैनत्व एवं मुनित्व के 28 संस्कार सम्पन्न कराए। दीक्षा उपरांत नवदीक्षित मुनि श्री गुणोदय सागर जी को पिच्छी, कमंडल एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य उनके पूर्व परिजनों को प्राप्त हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने कहा कि दीक्षा व्यक्ति के जीवन में पूर्ण परिवर्तन का प्रतीक है। दीक्षा से मंच, लंच, ड्रेस और एड्रेस सब बदल जाता है। उन्होंने बताया कि पदमपुरा अतिशय क्षेत्र में वर्ष 2016 एवं वर्ष 2026 में उनके सान्निध्य में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न हुए तथा तीन बार दीक्षा कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं।

सप्त ऋषियों के सानिध्य में नवागढ़ में भव्य महामस्तकाभिषेक सम्पन्न

नवागढ़. शाबाश इंडिया। प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत महामस्तकाभिषेक समारोह साधु-संतों के मंगल सानिध्य एवं श्रद्धालुओं की विशाल उपस्थिति में श्रद्धा और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। जैन धर्म की प्राचीन गुरुकुल परंपरा एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध इस क्षेत्र में देशभर से श्रद्धालु पुण्यार्जन हेतु पहुँचे। प्रचार मंत्री डॉ. सुनील संचय ने बताया कि गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज, आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री सुबल सागर जी के शिष्यों–मुनि श्री समत्त सागर, विकौशल सागर, सौम्य सागर, अभेद सागर, अगर्भ सागर, जयन्द्र सागर एवं शील सागर जी–के दुर्लभ समागम में ब्रह्मचारी जय निशांत जी के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। महामस्तकाभिषेक का प्रथम सौभाग्य दिल्ली, छतरपुर, मड़ावरा, मुंबई सहित विभिन्न स्थानों से पधारे श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। विशेष शांतिधारा डॉ. प्रदीप कुमार जैन, इंजीनियर अभिनव जैन एवं संजय जैन 'सनी' द्वारा सम्पन्न कराई गई। महिला सम्मेलन में नीति आयोग सदस्य श्रीमती अर्चना जैन की अध्यक्षता में बालकों को धर्म से जोड़ने पर मंथन हुआ। मुनि श्री शील सागर जी के दीक्षा दिवस पर संगीतमय पूजन भी आयोजित हुआ। क्षेत्रीय महामंत्री वीर चंद्र जैन ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

धारौली में बाबा मुक्तेश्वरपुरी जी के जन्मोत्सव पर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित, विजेता छात्र सम्मानित

झज्जर. शाबाश इंडिया

वीरों की देवभूमि कहे जाने वाले गाँव धारौली में 11वीं सदी के प्रसिद्ध संत बाबा मुक्तेश्वरपुरी जी महाराज (कोसली) के जन्मोत्सव की स्मृति में 'सेकंड रन फॉर बाबा मुक्तेश्वरपुरी जी महाराज' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। शहीद हवा सिंह लांबा राजकीय माध्यमिक विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का सफल संचालन माँ-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा किया गया।

महंत और अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम प्राचीन शिव मंदिर कोसली के महंत बाबा रामदास जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में रिलायंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन व शिक्षाविद सुखबीर जाखड़ ने शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छे संस्कार, अनुशासन और कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। विशिष्ट अतिथि के रूप में सिविल कोर्ट कोसली के एडवोकेट रिंकू कोसलिया और 16 बार के रक्तदानी सामाजिक कार्यकर्ता योगेश कुमार जाखड़ उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के मुख्य शिक्षक सतीश कुमार ने की।

प्रतियोगिता के परिणाम और पुरस्कार

दौड़ प्रतियोगिता में नन्हे खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया:

कक्षा 5वीं व 6ठी (400 मीटर): सोनिया ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 1200 रुपये मूल्य की शिक्षण सामग्री (कॉपी-पेन) जीती, जबकि कोमेश दूसरे स्थान पर रहे।

कक्षा 3री व 4थी (200 मीटर): यश प्रथम (1000 रुपये इनाम) और दिव्या द्वितीय (500 रुपये इनाम) स्थान पर रहीं।

कक्षा 1ली व 2सरी (100 मीटर): दक्ष ने पहला स्थान प्राप्त कर 700 रुपये का पुरस्कार जीता, वहीं मोहित दूसरे स्थान पर रहे।

सहयोग और आभार

समिति के अध्यक्ष और 23 बार रक्तदान कर चुके युद्धवीर सिंह लांबा ने बताया कि यह कार्यक्रम सुखबीर जाखड़, रिंकू कोसलिया, मास्टर सतीश यादव (भाकली), सोनू कुमार (सोनू मोटर वाइंडिंग, धारौली) और जोगिंद्र सिंह (ईसा ग्रुप) के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि समिति का उद्देश्य बच्चों को खेल और शिक्षा के प्रति जागरूक करना है।

Technovation-2026 के अंतर्गत Innovista क्विज प्रतियोगिता सम्पन्न

Technovation-2026 के अंतर्गत "Accelerating Sustainable Transformation through Innovation" विषय पर आयोजित Innovista क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में केवल CPU के विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए उत्साह, बौद्धिक क्षमता और रचनात्मक सोच का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं निर्णायक के रूप में वरिष्ठ सिविल इंजीनियर एवं IIT रुड़की से भूकम्प अभियांत्रिकी में एम.टेक इंजीनियर मनीष जैन उपस्थित रहे। उनके साथ विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पेन्द्र के. यादववंशी तथा Technovation के मुख्य समन्वयक डॉ. अरुण शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।अपने उद्घाटन संबोधन में इंजीनियर मनीष जैन ने कहा कि नवाचार और सतत विकास वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकता हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करने का संदेश देते हुए कहा कि बड़ा सोचें, ईमानदारी से कार्य करें और अपने ज्ञान का उपयोग समाज के कल्याण के लिए करें।प्रतियोगिता में सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल तकनीक एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे गए, जिनमें प्रतिभागियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का समापन विजेता की घोषणा के साथ हुआ, जिसे Technovation-2026 के अंतर्गत विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना गया। प्रतियोगिता का सफल समन्वयन डॉ. शिवानी गुप्ता द्वारा किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों में नवाचार, जागरूकता और सतत भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रेरक मंच सिद्ध हुआ।

जयकारों के साथ गूंजा माणक चौक

भगवान चंद्रप्रभु के मोक्ष कल्याणक पर चढ़ाया 11 किलो का निर्वाण लाडू

टोंक (माणक चौक). शाबाश इंडिया

पुरानी टोंक स्थित ऐतिहासिक श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर (तेरापंथीयान) में सोमवार को जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर समूचा मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की भक्ति और 'जय चंद्रप्रभु' के जयकारों से गुंजायमान रहा।

अभिषेक और शांतिधारा से हुई दिन की शुरूआत

समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि महोत्सव की शुरूआत प्रातः बेला में भगवान चंद्रप्रभु, भगवान पार्श्वनाथ, आदिनाथ और महावीर स्वामी के अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ हुई। इसके पश्चात नित्य नियम पूजा, णमोकार महामंत्र पाठ, नव देवता और 24 तीर्थंकर विधान की पूजा अर्चना प्रेमलता, अंतिक्षा, आशा, सरोज सहित महिला मंडल द्वारा भक्तिभाव से की गई। महोत्सव का मुख्य आकर्षण भगवान चंद्रप्रभु को निर्वाण लाडू समर्पित करना रहा। निर्वाण कांड के भक्तिमय वाचन के बीच राजेश लुहाड़िया, निर्मल सोनी, प्यारे लाल, जीतू कासलीवाल, देवराज काला, पारस सोनी और कमल बिलासपुरिया सहित अन्य प्रमुख समाजसेवियों ने सामूहिक रूप से 11 किलो का लाडू भगवान के चरणों में अर्पित किया। श्रद्धालुओं ने लाडू के साथ श्रीफल, चावल, बादाम और अष्ट द्रव्य चढ़ाकर अपनी श्रद्धा प्रकट की। इसके साथ ही भगवान पार्श्वनाथ की वेदी और जिनवाणी माता के समक्ष भी लाडू चढ़ाए गए। मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र जयपुरिया ने जानकारी दी कि मोक्ष कल्याणक के अवसर पर न केवल माणक चौक, बल्कि श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसिया, श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नसिया (श्याम बाबा) और बाबरों का चौक स्थित चैत्यालय में भी भक्ति भाव के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाए गए। शहर की सभी कॉलोनियों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े। महिलाओं ने ढोल-मजीरों की थाप पर विनतियां और भजन प्रस्तुत किए, जिससे माहौल पूर्णतः आध्यात्मिक हो गया। इस अवसर पर साखना अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश सोनी, राहुल जैन, संजू चमेली, पवन, जिनेन्द्र, सुरेंद्र सहित टोंक शहर की समस्त जैन समाज की अग्रणी विभूतियाँ और बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे मौजूद थे।

मानवता की मिसाल

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने स्वयं रक्तदान कर युवाओं में भरा जोश

अंबाह (मुरैना). शाबाश इंडिया

रक्तदान से केवल एक जीवन ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार की खुशियां बचाई जा सकती हैं। यह प्रेरणादायक विचार मुरैना कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने रविवार को जैन बगीची परिसर में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर के दौरान व्यक्त किए। कलेक्टर ने स्वयं रक्तदान कर समाज के युवाओं और नागरिकों के सामने सामाजिक उत्तरदायित्व की एक अनुपम मिसाल पेश की। मैत्री वेलफेयर फाउंडेशन एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित इस शिविर में सेवा भावना का अद्भुत नजारा दिखा, जहाँ 100 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। ग्वालियर और मुरैना से आई चिकित्सकों की विशेषज्ञ टीम ने चिकित्सकीय मानकों के साथ रक्त संग्रहण की प्रक्रिया संपन्न की। सभी रक्तदाताओं को संस्थाओं की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भावुक अपील: 'एक यूनिट रक्त, नई उम्मीद'

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कलेक्टर जांगिड़ ने कहा कि देश में प्रतिवर्ष 1.5 करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है। समय पर रक्त न मिलना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं, बल्कि एक परिवार के सपनों का टूटना है। उन्होंने थैलेसीमिया पीड़ितों, दुर्घटनाग्रस्तों और प्रसूता महिलाओं की मदद के लिए स्वस्थ व्यक्तियों को वर्ष में चार बार रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रक्तदान से शरीर में कमजोरी नहीं, बल्कि नई ऊर्जा का संचार होता है।

आदर्श दंपत्ति का सम्मान और जागरूकता प्रदर्शनी

शिविर के दौरान कलेक्टर ने अरविंद कुमार गुप्ता एवं उनकी धर्मपत्नी सपना गुप्ता को संयुक्त रूप से रक्तदान करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा लगाई गई रक्तदान जागरूकता प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया, जिसकी कलेक्टर ने मुक्तकंठ से सराहना की।

मुक्तिधाम में ध्यान केंद्र के लिए सहयोग की अपील

कलेक्टर ने अंबाह के मुक्तिधाम में प्रस्तावित 'ध्यान केंद्र' के निर्माण के लिए जनसहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मानसिक शांति और सकारात्मकता के लिए आध्यात्मिक केंद्रों की महती आवश्यकता है और प्रशासन इसके लिए हरसंभव सहयोग हेतु प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में एसडीएम रामनिवास सिंह सिकरवार, तहसीलदार भारतेंदु सिद्धार्थ गौतम, बीएमओ प्रमोद शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर

105 वर्ष प्राचीन दिगम्बर जैन समाज की स्वयंसेवी संस्था

105 वर्ष

विशाल होली स्नेह मिलन

शेखावाटी के कलाकारों द्वारा चंग ढप की विशेष प्रस्तुति

पवन श पार्टी

के साथ फूलों की रंगारंग होली

रविवार, दिनांक 1 मार्च, 2026 • सांय 7.00 बजे

स्थान : भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

आप सादर आमंत्रित है।

नरेश कासलीवाल
संयोजक

महेश काला — अध्यक्ष | प्रदीप गोधा — उपाध्यक्ष | सुरेश भौंच — संयुक्त मंत्री | राकेश छाबड़ा — कोषाध्यक्ष | शरद बाकलीवाल — स्टोर इंचार्ज | भानु कुमार छाबड़ा — मानद् मंत्री

कार्यकारिणी सदस्य

अरुण कोड़ीवाल • महेश बाकलीवाल • नरेश कासलीवाल • योगेश टोडरका • मितेश ठोलिया

अतुल बोहरा, पंकज अजमेरा 'दातां', सौरभ गोधा, निर्मल पाटनी,
ओमप्रकाश बड़जात्या, सौभागमल जैन, सिद्धार्थ जैन, कान्ति चन्द नृपत्या

सनातन सिखाता है सेवा और संस्कार, भारत को बनाना है विश्व का महामार्गदर्शक: वासुदेव देवनानी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। हरिशेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर के तत्वावधान में आयोजित आठ दिवसीय 'सनातन मंगल महोत्सव' के चौथे दिन राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिरकत की। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन महाराज के सानिध्य में आयोजित इस भव्य समारोह में देवनानी ने श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया और व्यास पीठ पर विराजित डॉ. श्यामसुन्दर पाराशर का अभिनंदन किया।

कृष्ण जन्मोत्सव पर उमड़ा उल्लास

कथा के दौरान जब भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव का प्रसंग आया, तो संपूर्ण पांडाल 'नंद के आनंद भयो' के जयकारों से गूंज उठा। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी भी संतों के साथ बधाई बांटते हुए श्रद्धालुओं की खुशियों में सहभागी बने। देवनानी ने कहा, सनातन प्राचीनतम और शाश्वत धर्म है जो हमें शुद्ध आचरण और परोपकार सिखाता है। आज नया भारत बन रहा है और हमारा लक्ष्य इसे विश्व की महाशक्ति ही नहीं, बल्कि महामार्गदर्शक बनाना है।

अज्ञान का आवरण हटते ही मिलता है परम तत्व

कथा व्यास डॉ. पाराशर ने नृसिंह अवतार और वामन अवतार की व्याख्या करते हुए कहा कि जीव का ईश्वर से संबंध जुड़ते ही जन्म-मरण के बंधन समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने भक्त प्रहलाद और राजा बलि के उदाहरण देते हुए शरणागति के महत्व पर प्रकाश डाला।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

नन्हे खिलाड़ियों ने खेल के मैदान में दिखाया दम

सुबोध प्ले स्कूल का वार्षिक खेलकूद समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

देव नगर स्थित सुबोध प्ले स्कूल द्वारा शनिवार, 21 फरवरी 2026 को स्थानीय कम्युनिटी सेंटर में वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस समारोह की विशेष बात अभिभावकों के साथ-साथ दादा-दादी और नाना-नानी की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे स्कूल का मैदान पारिवारिक उत्सव के रंग में रंगा नजर आया।

आकर्षक मार्च पास्ट और सूर्य नमस्कार ने मोहा मन

कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ नन्हे विद्यार्थियों के आकर्षक मार्च पास्ट के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने अनुशासित ढंग से ड्रिल और सूर्य नमस्कार की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं, जिसे देखकर दर्शक दीर्घा में बैठे अभिभावक मंत्रमुग्ध हो गए। प्लेग्रुप, नर्सरी, एलकेजी और प्रेप के नन्हे खिलाड़ियों के लिए विभिन्न रोचक दौड़ और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

अतिथियों का सम्मान

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी सुश्री खनक माखिजा उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में आईएएस श्री प्रदीप बोरर अपनी धर्मपत्नी श्रीमती रजनी बोरर के साथ शामिल हुए। विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रियंका जैन ने मुख्य अतिथि को दुपट्टा और पौधा भेंट कर सम्मानित किया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विशिष्ट अतिथि एवं उनकी धर्मपत्नी को भी पौधे भेंट किए गए।

बुजुर्गों ने भी दिखाई खेल भावना

समारोह में केवल बच्चे ही नहीं, बल्कि उनके अभिभावकों और दादा-दादी/नाना-नानी ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में पूरे जोश के साथ भाग लिया। वरिष्ठ नागरिकों की भागीदारी ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और पीढ़ियों के बीच एकता का संदेश दिया।

पदक पाकर खिले नन्हे चेहरे

प्रतियोगिताओं के अंत में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा विजेताओं को पदक और पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रधानाचार्या प्रियंका जैन ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन खेल भावना और आपसी एकता के संदेश के साथ हुआ।

पदमपुरा में पंचकल्याणक का भव्य समापन

111 फीट की धर्म ध्वजा लहराई, मुन्ना लाल टकसाली बने मुनि 'गुणोदया सागर'

जयपुर/पदमपुरा. शाबाश इंडिया

अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में आयोजित पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का रविवार को मोक्ष कल्याणक की क्रियाओं, विश्व शांति महायज्ञ और विशाल रथयात्रा के साथ समापन हुआ। इस महोत्सव के दौरान नवनिर्मित खड़गासन चौबीसी की 70 प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा की गई और मंदिर के 121 फीट ऊंचे पद्मबल्लभ शिखर पर स्वर्ण कलश व ध्वजा स्थापित की गई।

मुन्ना लाल टकसाली ने अंगीकार की जैनेश्वरी दीक्षा

महोत्सव का सबसे भावुक और ऐतिहासिक क्षण वह था जब वात्सल्य वारिधि पट्टाचार्य वर्धमान सागर महाराज ने अपनी 121वीं दीक्षा के रूप में जयपुर निवासी मुन्ना लाल टकसाली को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की। दीक्षा के उपरांत उनका नया नाम मुनि गुणोदया सागर रखा गया। जयकारों के बीच मुनि श्री का पाद प्रक्षालन और वंदन किया गया।

शिखर पर कलशारोहण और 111 फीट ऊंची धर्म ध्वजा

अध्यक्ष सुधीर कुमार जैन और महामंत्री हेमंत सोगानी ने बताया कि मूलनायक भगवान पद्मप्रभ के मंदिर निर्माण के 75 वर्ष बाद निर्मित 121 फीट ऊंचे शिखर पर आर.के. मार्बल्स परिवार (अशोक-सुशीला पाटनी) द्वारा कलश और ध्वजा स्थापित की गई। इसके साथ ही मंदिर परिसर में समाजश्रेष्ठी ताराचंद पोल्याका एवं परिवार द्वारा प्रदेश की गौरवमयी 111 फीट ऊंची धर्म ध्वजा मंत्रोच्चार के साथ लगाई गई।

आदिनाथ भगवान का निर्वाण लाडू और महायज्ञ

प्रतिष्ठाचार्य पं. हंसमुख जैन के निर्देशन में प्रातः भगवान आदिनाथ का निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। अग्नि कुमार देवों के आगमन और मोक्ष कल्याणक पूजा के पश्चात विश्व शांति महायज्ञ में पूणार्हुति दी गई। आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि निगोद से सिद्धालय तक की यात्रा ही पंचकल्याणक है। श्रावक को संयम का मार्ग अपनाकर अपने जीवन को सार्थक करना चाहिए।

70 प्रतिमाएं बनीं पाषाण से परमात्मा

संयोजक राजकुमार कोठ्यारी ने बताया कि महोत्सव में खड़गासन चौबीसी, विधिनायक आदिनाथ भगवान और अन्य कुल 70 प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा कर उन्हें वेदियों में विराजमान किया गया। इसी अवसर पर दिल्ली के धर्मेंद्र सेठी ने चौबीसी के मुख्य द्वार निर्माण की घोषणा की। महोत्सव के अंतिम चरण में जुलूस संयोजक योगेश टोडरका के नेतृत्व में भव्य रथयात्रा निकाली गई। सौधर्म इंद्र सुरेंद्र-मृदुला पांड्या हाथी पर और अन्य इंद्र-इंद्राणी बग्गियों में सवार होकर निकले। बैंड-बाजों और जयकारों के साथ रथयात्रा मंदिर पहुंची, जहां नवनिर्मित वेदियों में जिन बिम्बों को स्थापित किया गया। कार्यक्रम में आईएएस रवि जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

@ पेज 10 पर

111 फीट की धर्म ध्वजा लहराई, मुन्ना लाल टकसाली बने मुनि 'गुणोदया सागर'

सुख-दुःख में सन्तुलनः समभाव की साधना

मानव जीवन सुख और दुःख के दो तटों के बीच बहने वाली एक निरंतर धारा है। कभी सफलता की किरणें मन को उल्लास से भर देती हैं, तो कभी असफलता की परछाईं निराशा के बादल ले आती है। वास्तव में, जो व्यक्ति इन दोनों ही विपरीत स्थितियों में स्वयं को संतुलित रखता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन का मर्मज्ञ कहलाता है। यही सन्तुलन 'समभाव' की वास्तविक साधना है।

क्या है समभाव ? समभाव का अर्थ है–प्रत्येक परिस्थिति में मन को स्थिर और शांत रखना। जब हम सुख में अत्यधिक उन्मत्त हो जाते हैं, तब अहंकार जन्म लेता है; और जब दुःख में गहराई तक डूब जाते हैं, तो अवसाद हमें घेर लेता है। ये दोनों ही अवस्थाएँ मानसिक शांति के लिए घातक हैं। अतः अनिवार्य है कि हम जीवन के प्रत्येक मोड़ को नियति का सहज उपहार मानकर स्वीकार करें।

श्रीमद्भगवद्गीता का सन्देश: श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को 'समत्व योग' का दिव्य उपदेश देते हुए कहा है– ''सुख-दुःखे समे कृत्वा लाभलाभौ जयाजयौ'' अर्थात सुख-दुःख, लाभ-हानि और जय-पराजय में समान भाव रखना ही योग है। यह शिक्षा मात्र युद्धभूमि तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में प्रासंगिक है। जब मनुष्य प्रशंसा और आलोचना के बीच सन्तुलन बनाना सीख लेता है, तब वह आंतरिक रूप से अजेय बन जाता है।

अभ्यास से सिद्धि: समभाव की साधना रातों-रात सिद्ध नहीं होती, यह निरंतर अभ्यास से विकसित होती है। नियमित ध्यान, प्रार्थना, सत्संग और आत्मचिंतन से विचलित होता मन धीरे-धीरे स्थिर होने लगता है। परोपकार और सेवा कार्य भी हमें समभाव की ओर ले जाते हैं; क्योंकि जब हम दूसरों के आँसू पोंछने में संलग्न होते हैं, तो हमारे निजी सुख-दुःख का प्रभाव स्वतः ही क्षीण हो जाता है। सुख क्षणिक है और दुःख भी स्थायी नहीं। ये दोनों ही जीवन के श्रेष्ठ शिक्षक हैं। जहाँ सुख हमें कृतज्ञता सिखाता है, वहीं दुःख हमें धैर्य और सहनशीलता का पाठ पढ़ाता है। यदि हम इन दोनों को समान दृष्टि से देखना आरम्भ कर दें, तो हमारा जीवन ही एक जीवन्त साधना बन जाता है। सच्चा आनन्द बाहरी परिस्थितियों के अनुकूल होने में नहीं, बल्कि मन की सन्तुलित अवस्था में निहित है। जो व्यक्ति सुख में विनम्र और दुःख में धैर्यवान रहता है, वही समभाव का सच्चा साधक है। यही सन्तुलन जीवन को शांत, स्थिर और सार्थक बनाता है।

फागी सहित परिक्षेत्र के जिनालयों में चंद्रप्रभु भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

फागी संवाददाता. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लसाड़िया एवं लदाना सहित विभिन्न जिनालयों में जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने जानकारी देते हुए बताया कि कस्बे के मुनि सुव्रतनाथ जिनालय में प्रातःकाल भगवान का अभिषेक किया गया। इसके पश्चात समाज के श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक शांतिधारा एवं अष्टद्रव्य पूजन कर मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच सामूहिक रूप से लड्डू चढ़ाकर क्षेत्र में सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की। कार्यक्रम में मोहनलाल झंडा, भागचंद जैन टीबा, कैलाश कासलीवाल, हनुमान कलवाड़ा, रमेश बजाज, सौभागमल सिंघल, महावीर मोदी, पदम टीबा, महेश झंडा, नीरज झंडा, अशोक गिंदोढ़ी, कमलेश चौधरी, राहुल टीबा एवं राजाबाबू गोधा सहित अनेक श्रावक उपस्थित रहे। वहीं संतरा झंडा, पर्यूषणा झंडा, कमला कासलीवाल, शोभा झंडा, रेखा झंडा, संगीता डेठानी, गुणमाला झंडा, इलायची मोदी, आशा मोदी, ललिता सिंघल, संतोष मांदी, मधु गिंदोढ़ी, सुनीता गिंदोढ़ी, सुशीला झंडा एवं रिया जैन सहित बड़ी संख्या में श्राविकाओं ने भी सहभागिता निभाई।

बापू नगर में भगवान चंद्रप्रभु का मोक्ष कल्याणक महोत्सव संपन्न, भक्तिभाव से चढ़ाया निर्वाण लाडू

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में सोमवार को जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर भगवान के जयकारों और भक्ति गीतों से गुंजायमान रहा।

अभिषेक और शांतिधारा के साथ मांगलिक शुरूआत

प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि महोत्सव की शुरूआत प्रातः काल भगवान शांतिनाथ एवं भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक के साथ हुई। इसके पश्चात लक्ष्मीकांत जैन, पूनम चंद सेठी, राजेंद्र सोगानी और विनय कुमार जैन ने मंत्रोच्चार के साथ शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया।

भक्तिमय माहौल में अर्पित किया निर्वाण लाडू

शांतिधारा के उपरांत श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से निर्वाण कांड का पाठ किया। जयकारों के बीच भगवान चंद्रप्रभु के मोक्ष कल्याणक के प्रतीक स्वरूप 'निर्वाण लाडू' चढ़ाया गया।

इस दौरान महिला मंडल द्वारा गाए गए बधाई गीतों और नृत्यों ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। श्रावक-श्राविकाओं ने अष्टद्रव्य के साथ भगवान चंद्रप्रभु की विशेष पूजा-अर्चना की और अर्घ्य समर्पित कर मंगल कामना की। इस धार्मिक आयोजन में बापू नगर क्षेत्र के बड़ी संख्या में धमालुंगण उपस्थित रहे।

नवकार ग्रुप की धार्मिक यात्रा सम्पन्न, श्रद्धालुओं ने किए अतिशय तीर्थों के दर्शन

शाबाश इंडिया

नवकार ग्रुप द्वारा 22 फरवरी को सुथाड़ा (सुखोदया), इंदरगढ़ एवं सवाई माधोपुर के लिए एक दिवसीय धार्मिक यात्रा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सम्पन्न की गई। ग्रुप के अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि लगभग 70 सदस्य दो बसों एवं एक कार से प्रातः 7 बजे यात्रा पर रवाना हुए। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने सुथाड़ा स्थित अतिशय क्षेत्र के दर्शन किए। यहाँ स्थित तीन मानस्तंभ विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जिनके बारे में मान्यता है कि उनका कुछ भाग प्रतिवर्ष भूमि में समाहित होता जाता है। तीर्थ क्षेत्र में यात्रियों के लिए आवास एवं भोजनशाला की उत्तम व्यवस्था है। यहाँ भगवान श्री मुनिसुव्रतनाथ की मनमोहक प्रतिमा के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इसके पश्चात यात्रियों ने इंदरगढ़ जैन मंदिर में पंच टोंक सहित दर्शन किए। दोपहर भोजन के बाद सवाई माधोपुर स्थित चमत्कारजी मंदिर में भगवान आदिनाथ के दर्शन कर सामूहिक आरती आयोजित की गई। यात्रा के दौरान बसों में भजन, अंताक्षरी एवं हाउजी जैसे मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसका सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया। यात्रा का सफल प्रबंधन सुरेश जैन (बांदीकुई), राजेन्द्र कुमार बाकलीवाल एवं कैलाशचंद सेठी द्वारा किया गया। यात्रा के समापन पर अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल एवं सचिव विजय कुमार पांड्या ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

शहडोल: रोटरी प्रांतपाल रोटे अमित जायसवाल का दो दिवसीय दौरा संपन्न, सेवा परियोजनाओं को मिली नई गति

शहडोल. शाबाश इंडिया

रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261 के प्रांतपाल रोटे अमित जायसवाल का दो दिवसीय आधिकारिक शहडोल प्रवास (21-22 फरवरी 2026) सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरे से स्थानीय रोटरी परिवार में नई ऊर्जा और सेवा भाव का संचार हुआ है।

क्लबों के साथ समीक्षा बैठक और भविष्य की योजनाएं

डिस्ट्रिक्ट मीडिया चेयरमैन रोटे नितिन जैन ने जानकारी दी कि प्रांतपाल ने रोटरी क्लब 'विराट' (अध्यक्ष रोटे सी.एम. मेहानी, सचिव रोटे देवेंद्र श्रीवास्तव) और रोटरी क्लब 'शहडोल' (अध्यक्ष रोटे कृष्ण कुमार गुप्ता, सचिव रोटे विनोद प्रधान) के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में रोटरी के सात प्रमुख कार्य क्षेत्रों–विशेषकर स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ जल, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास–के अंतर्गत आगामी योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर गहन मंथन किया गया।

ट्रैफिक साइन बोर्ड्स का अनावरण

रोटरी की 'पब्लिक इमेज' को सशक्त करने और जनहित के उद्देश्य से शहडोल के व्यस्त गांधी चौक पर सुचारू यातायात व्यवस्था हेतु साइन बोर्ड (यातायात संकेतक) लगाए गए। इस पहल का नागरिकों और प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर

दौरे के दौरान डिस्ट्रिक्ट के नवनिर्वाचित प्रांतपाल रोटे नवीन भवसार ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को वर्तमान समय की महती आवश्यकता बताते हुए रोटरी के माध्यम से महिलाओं को स्वावलंबी बनाने पर विचार व्यक्त किए।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटे राजेश, रोटे प्रकाश गुप्ता सहित कई वरिष्ठ रोटेरियन और सदस्यों का विशेष योगदान रहा। अनुशासन, उत्साह और सेवा संकल्प के साथ यह दौरा संपन्न हुआ।

सादर: रोटे नितिन जैन
चेयरमैन, मीडिया (डिस्ट्रिक्ट 3261)

हावड़ा डबसन में चंद्रप्रभु भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया

कोलकाता/हावड़ा. शाबाश इंडिया

फाल्गुन शुक्ल सप्तमी के पावन अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, डबसन (हावड़ा) में वर्तमान चौबीसी के आठवें तीर्थंकर भगवान 1008 श्री चंद्रप्रभु स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः अभिषेक, शांतिधारा एवं विधिवत पूजन सम्पन्न हुआ, जिसके पश्चात साधर्मी बंधुओं ने जयकारों के मध्य निर्वाण लड्डू अर्पित कर सुख-शांति एवं मंगल की कामना की। धार्मिक जानकारी के अनुसार भगवान चंद्रप्रभु का जन्म इक्ष्वाकु वंश में चंद्रपुरी (चंद्रपुर) नगर में राजा महासेन एवं माता लक्ष्मणा के यहाँ हुआ था। उनका प्रतीक चिह्न चंद्रमा है तथा शरीर का वर्ण भी चंद्रमा के समान श्वेत बताया गया है। उन्होंने पौष कृष्ण एकादशी को दीक्षा ग्रहण की, फाल्गुन कृष्ण सप्तमी को केवलज्ञान प्राप्त किया तथा सम्मेद शिखर के ललित कूट से मोक्ष प्राप्त किया। मान्यता है कि इसी पावन स्थल से असंख्य मुनियों ने भी सिद्ध पद प्राप्त किया। कार्यक्रम में ब्रह्मचारी मिलाप जी गंगवाल, शैलेश गंगवाल, भागचंद बड़जात्या, बसंत सेठी, भानुप्रकाश कासलीवाल, अखिलेश जैन, रितेश काला, राजेश अजमेरा, विनीत जैन, विनोद गंगवाल एवं विकास जैन सहित अनेक साधर्मी बंधुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस अवसर पर हावड़ा डबसन सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मल्लिनाथ भगवान का मोक्षकल्याणक

धुलियान में भक्ति की बयार

भगवान मल्लिनाथ और चन्द्रप्रभ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

धुलियान (मुर्शिदाबाद). शाबाश इंडिया। मुर्शिदाबाद जिले के धुलियान जैन समाज द्वारा तीर्थंकर भगवान मल्लिनाथ और भगवान चन्द्रप्रभ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव पूर्ण श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। दो दिवसीय इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।

मल्लिनाथ भगवान का निर्वाण उत्सव: रविवार, 22 फरवरी को प्रातः बेला में भगवान के अभिषेक और शांतिधारा के मंगल अनुष्ठान संपन्न हुए। इसके पश्चात, सबसे कम समय में मोक्ष प्राप्त करने वाले 19वें तीर्थंकर भगवान मल्लिनाथ का निर्वाण लाडू हर्षोल्लास के साथ चढ़ाया गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक पूजन कर प्रभु के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। **चन्द्रप्रभ भगवान का मोक्ष कल्याणक:** इसी क्रम में सोमवार, 23 फरवरी को भगवान चन्द्रप्रभ का मोक्ष कल्याणक मनाया गया। शांतिधारा के उपरांत श्रद्धालुओं ने निर्वाण कांड का पाठ किया और लाडू चढ़ाया। मंदिर का वातावरण ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो समस्त श्रद्धालु शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर जी के 'ललित कूट' पर साक्षात वंदना कर रहे हों। इस अवसर पर स्थानीय जैन समाज के अनेक गणमान्य नागरिक और धर्मालु उपस्थित रहे। जयकारों की गूंज और भजनों की मधुर स्वर लहरियों ने धुलियान के इस आयोजन को यादगार बना दिया।

रिपोर्ट: संजय बड़जात्या

ईमानदारी की ताकत और बेईमानी की हार

समाज में अक्सर कहा जाता है कि एक ईमानदार व्यक्ति हजार बेईमानों का सामना कर सकता है, लेकिन हजार बेईमान मिलकर भी एक ईमानदार व्यक्ति को नहीं झेल सकते। यह केवल कहावत नहीं, बल्कि जीवन का कठोर सत्य है। ईमानदार व्यक्ति के पास धन, छल या भीड़ की ताकत भले न हो, पर उसके पास आत्मबल, सत्य और नैतिक साहस की ऐसी शक्ति होती है, जो उसे अडिग बनाए रखती है। बेईमान लोग संख्या में अधिक दिखाई दे सकते हैं, लेकिन वे भीतर से भयभीत रहते हैं। उन्हें हमेशा यह डर सताता है कि कहीं सच उजागर न हो जाए। एक ईमानदार व्यक्ति अकेले खड़े होकर भी सत्य पर टिक सकता है, क्योंकि उसका आधार उसकी स्वच्छ अंतरात्मा होती है। इसके विपरीत बेईमानों को अपनी बात मनवाने के लिए समूह, षड्यंत्र और दबाव का सहारा लेना पड़ता है। ईमानदार व्यक्ति कठिनाइयाँ, अपमान और आर्थिक नुकसान सह सकता है, लेकिन अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करता। यही दृढ़ता बेईमानों को असहज करती है। उनका अस्तित्व झूठ पर टिका होता है और झूठ को बनाए रखने के लिए उन्हें लगातार नए झूठ गढ़ने पड़ते हैं। सत्य को याद रखने की आवश्यकता नहीं होती, जबकि झूठ को संभालने के लिए डर और चालाकी दोनों चाहिए। जब समाज में कोई व्यक्ति दृढ़ता से ईमानदारी के मार्ग पर चलता है, तो वह हजारों लोगों के लिए प्रेरणा बन जाता है। बेईमानी का समूह शोर तो कर सकता है, लेकिन सम्मान अर्जित नहीं कर सकता। इतिहास साक्षी है कि सत्य को दबाने के अनेक प्रयास हुए, पर अंततः वही और अधिक मजबूती से उभरा। इसलिए ईमानदारी की राह पर चलने वाले व्यक्ति को शक्ति संख्या से नहीं, बल्कि अपने सिद्धांतों से मिलती है। यही कारण है कि हजार बेईमान मिलकर भी एक सच्चे और ईमानदार व्यक्ति को भीतर से पराजित नहीं कर सकते।

नितिन जैन: मोबाइल : 9215635871

किशनगढ़: तिलक नगर में महिलाओं ने मनाया फाग महोत्सव, भजनों और नृत्य से छाया होली का उल्लास

किशनगढ़ (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

तिलक नगर क्षेत्र में रविवार को महिलाओं द्वारा 'फाग महोत्सव' का आयोजन बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ किया गया। फागुनी बयार के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिला।

भक्ति गीतों पर थिरकीं महिलाएं

महोत्सव की शुरूआत धार्मिक भजनों और फाग गीतों से हुई। जैसे ही भजनों की सुमधुर स्वर लहरियाँ गूंजी, महिलाएं स्वयं को रोक नहीं पाईं और भक्ति गीतों पर जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम में राधा-कृष्ण की होली के गीतों ने समां बांध दिया।

रोचक प्रतियोगिताएं और मनोरंजन

भक्ति संगीत के साथ-साथ मनोरंजन के लिए विभिन्न खेलों का भी आयोजन किया गया। विशेष रूप से होली पर आधारित 'हाऊजी प्रतियोगिता' महिलाओं के बीच आकर्षण का केंद्र रही। विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

गुलाल से दी होली की शुभकामनाएं

कार्यक्रम के समापन पर सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर और गुलाल उड़ाकर आगामी होली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। आयोजन की संयोजक मीनाक्षी छाबड़ा ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से आपसी मेल-जोल बढ़ता है और हमारी संस्कृति जीवंत रहती है।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का फाग उत्सव उल्लासपूर्वक सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा 22 फरवरी 2026 को न्यू सांगानेर रोड स्थित सोगानी फार्म हाउस में फाग उत्सव कार्यक्रम उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री श्री प्रेमचंद बेरवा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रमुख समाजसेवी श्री गौतम जैन, समाजसेवी एवं पूर्व सरपंच आकोदा श्री धर्मचंद जैन, समाजसेवी श्री कुलदीप चौधरी, श्री विनय सोगानी तथा नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन श्री राजीव पाटनी शामिल रहे। ग्रुप सचिव अजय जैन ने बताया कि कार्यक्रम में फतेहपुर सीकर की प्रसिद्ध चंग-ढाप टीम एवं गायिका हीना सैन द्वारा होली के पारंपरिक गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनका उपस्थित जनों ने भरपूर आनंद लिया। सामाजिक सरोकार के तहत ''नया सवेरा'', आदिनाथ वृद्ध आश्रम एवं आश्रय होम केयर आश्रम की बालिकाओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्रीमती कांता जैन, वाइस चेयरमैन राजीव जैन एवं कोषाध्यक्ष तरुण जैन सहित सभी अतिथियों का माला, तिलक एवं साफा पहनाकर संस्थापक अध्यक्ष मनीष झाझरी, पूर्व अध्यक्ष अभय गंगवाल एवं राहुल जैन ने स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजन में पदम प्रीति जैन, पीयूष दीना, रानू जैन, ऋतु जैन एवं निशा गोधा का विशेष सहयोग रहा।

1008 श्री चंद्रप्रभु भगवान का मोक्ष कल्याणक पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

अजमेर (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, अजमेर के संभाग महामंत्री कमल गंगवाल एवं संभाग संयोजक संजय कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान चौबीसी के आठवें तीर्थंकर भगवान 1008 श्री चंद्रप्रभु स्वामी का मोक्ष कल्याणक पर्व सोमवार को पूरे भारतवर्ष सहित अजमेर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। आनंदनगर स्थित 1008 श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः 6.30 बजे जिनेंद्र अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा का आयोजन देवर्ष गंगवाल के जन्मदिवस के अवसर पर समाजसेविका श्रीमती मोहनी देवी गंगवाल परिवार के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात भगवान चंद्रप्रभु की विधिवत पूजन कर निर्वाण कांड का पाठ किया गया तथा मोदक अर्पित कर सुख-शांति की कामना की गई। इसी क्रम में सोनीनगर जैन मंदिर में भगवान चंद्रप्रभु का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा डॉ. राजकुमार गोधा के मुखारविंद से सम्पन्न हुई, जिसका सौभाग्य विनोद बाकलीवाल सहित अन्य साधर्मी बंधुओं को प्राप्त हुआ। निर्वाण मोदक अर्पण का सौभाग्य राजकुमारी पांडया परिवार को मिला। डॉ. गोधा ने बताया कि भगवान चंद्रप्रभु ने सम्मेद शिखरजी से मोक्ष प्राप्त किया था। संभाग प्रवक्ता विजय पांडया के अनुसार सायंकाल शहर के विभिन्न जिनालयों में 108 दीपकों से संगीतमय महाआरती, भक्तामर पाठ एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मलूकपीठाधीश्वर बोले 'भाग्यशाली हैं महोत्सव के साक्षी', भागवत कथा में छप्पन भोग के साथ सजी गोवर्धन झांकी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर के तत्वावधान में आयोजित आठ दिवसीय 'सनातन मंगल महोत्सव' के पांचवें दिन सोमवार को श्रद्धालुओं को श्री रैवासा वृन्दावन धाम के मलूकपीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेन्द्रदास देवाचार्य महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा में श्रीकृष्ण बाल लीला और गोवर्धन पूजा के प्रसंगों ने पांडाल को भक्ति के सागर में सराबोर कर दिया।

कथा श्रवण और प्रभु प्राप्ति में कोई भेद नहीं: राजेन्द्रदास महाराज

व्यास पीठ का अभिनंदन करते हुए स्वामी राजेन्द्रदास महाराज ने कहा कि भगवान का नाम, रूप, लीला और धाम–ये चारों सच्चिदानंद स्वरूप हैं। उन्होंने भीलवाड़ावासियों को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि जो फल प्रभु की साक्षात प्राप्ति से मिलता है, वही फल उनकी कथा के श्रवण से भी प्राप्त होता है। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन महाराज ने उनका स्वागत किया और महोत्सव के आगामी दीक्षा समारोह के लिए तीन दीक्षार्थियों–इन्द्रदेव, सिद्धार्थ एवं कुनाल का परिचय कराया।

गौसेवा ही सनातनी का परम कर्तव्य: डॉ. पाराशर

कथा व्यास डॉ. श्यामसुन्दर पाराशर ने गोवर्धन पूजा प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रबल पुरुषार्थ के बिना प्रभु कृपा संभव नहीं है। उन्होंने गौसेवा का संदेश देते हुए कहा, हर सनातनी को प्रतिदिन गौपूजन करना चाहिए और घर की पहली रोटी गाय व अंतिम रोटी श्वान (कुत्ते) के लिए निकालनी चाहिए। उन्होंने राष्ट्रभक्ति पर जोर देते हुए आस्तीन के सांपों से सावधान रहने का भी आान किया।

महोत्सव के अन्य विशेष आकर्षण:

अखंड संकीर्तन: वृन्दावन से आए 16 कलाकार चैतन्यदास के नेतृत्व में 24 घंटे अखंड हरिनाम संकीर्तन कर रहे हैं।

वैदिक अनुष्ठान: काशी के यज्ञाचार्य कामेश्वरनाथ तिवारी के सानिध्य में पंचकुण्डीय विष्णु महायज्ञ और चारों वेदों का मूल पाठ जारी है।

रासलीला और गंगा आरती: प्रतिदिन शाम को काशी की तर्ज पर भव्य गंगा आरती और रासलीला का आयोजन हो रहा है, जिसमें हजारों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं।

कल निकलेगी सनातन एकता शोभायात्रा

महोत्सव के तहत 25 फरवरी को प्रातः 8 बजे अयोध्यानगर शहीद चौक से विशाल 'संत दर्शन एवं सनातन शोभायात्रा' निकाली जाएगी। इसमें तीनों दीक्षार्थी और देश भर से आए संत महापुरुष शामिल होंगे, जो सनातन एकता का संदेश देंगे।

भीलवाड़ा: पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा के लिए गठित होंगी कमेटियां, जल्द खुलेगा आयोजन समिति का कार्यालय

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा (सीहोर वाले) के मुखारबिंद से धर्मनगरी भीलवाड़ा में पहली बार आयोजित होने वाली 'शिव महापुराण कथा' की तैयारियां जोरों पर हैं। आगामी 9 से 15 अप्रैल तक आयोजित होने वाले इस भव्य उत्सव की व्यवस्थाओं को लेकर रविवार को संकटमोचन हनुमान मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

महंत बाबूगिरीजी महाराज का सानिध्य और विधायक कोठारी की अध्यक्षता

बैठक संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरीजी महाराज के पावन सानिध्य और आयोजन समिति के अध्यक्ष व भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। विधायक कोठारी ने कहा कि यह आयोजन मेवाड़ की धरा के लिए प्रतिष्ठा का विषय है और इसे सफल बनाने के लिए शहर के हर समाज और संगठन को जोड़कर इसे 'जन-जन का उत्सव' बनाया जाएगा।

व्यवस्थाओं के लिए कमेटियों का होगा गठन

समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी ने आजाद नगर स्थित मेडिसिटी ग्राउंड पर होने वाले कथा आयोजन की वर्तमान प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वित्त संग्रह, भोजन व्यवस्था, आवास, यातायात और पार्किंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए शीघ्र ही अलग-अलग कमेटियों का गठन किया जाएगा। इसके साथ ही, श्रद्धालुओं की सहायता और समन्वय के लिए आगामी कुछ दिनों में समिति के कार्यालय का विधिवत शुभारंभ भी कर दिया जाएगा।

लाखों श्रद्धालुओं के लिए होंगे समुचित प्रबंध

आयोजन के सूत्रधार महंत बाबूगिरीजी महाराज ने अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि सभी भीलवाड़ावासी मिलकर इस महाआयोजन को सफल बनाएं। बैठक में कैलाश डाड एवं रजनीकांत आचार्य ने अब तक का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जबकि संचालन पंडित अशोक व्यास ने किया।

बैठक में रहे मौजूद

इस अवसर पर पीयूष डाड, बद्रीलाल सोमानी, मंजू पोखरना, रामेश्वर ईनाणी, ललित सोमानी, रमेश बंसल, डॉ. उमाशंकर पारीक सहित शहर के विभिन्न प्रबुद्ध नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने पार्किंग प्रबंधन, पेयजल और सुरक्षा जैसे विषयों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

बड़ा मंदिर में गूंजे जयकारे, सम्मेद शिखरजी के ललित कूट पर यात्रियों ने चढ़ाया निर्वाण लाडू

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में भगवान चंद्रप्रभु का मोक्ष कल्याणक महोत्सव निवाई और शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखरजी, दोनों स्थानों पर धूमधाम से मनाया गया। निवाई में भक्ति का उल्लासः स्थानीय 'बड़ा मंदिर' में विधानाचार्य पंडित सुरेश शास्त्री के निर्देशन में विधान आयोजित हुआ। शांतिधारा का सौभाग्य महेंद्र संधी और सौधर्म इंद्र बनने का पुण्य सुरेश कुमार बगड़ी को मिला। जैन गायक विमल जौंला और विमल सोगानी के भजनों पर श्रद्धालु भक्ति में डूब गए। राजेश सांवलिया परिवार ने गाजे-बाजे के साथ मंदिर में निर्वाण लाडू चढ़ाया। शिखरजी में 150 यात्रियों का संगमः मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि आचार्य पदमनन्दी एवं वर्धमान सागर महाराज की प्रेरणा से निवाई से 150 यात्रियों का दल सम्मेद शिखरजी पहुंचा। यात्रियों ने 27 किलोमीटर की वंदना कर ललित कूट पर भगवान चंद्रप्रभु को निर्वाण लाडू अर्पित किया। यात्रा में हितेश छाबड़ा, गोपाल कठमाणा और हेमंत चंवरिया सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ लिया। आगामी कार्यक्रमः आर्यिका श्रुत मति एवं सुबोध मति माताजी के सानिध्य में 24 फरवरी से नसियां मंदिर में अष्टान्हिका महापर्व का शुभारंभ होगा, जिसमें भव्य मंडल विधान आयोजित किया जाएगा।

भव्य पालकी यात्रा के साथ शालीमार एनक्लेव में सिद्धचक्र महामंडल विधान का शंखनाद

आगरा. शाबाश इंडिया। कमला नगर स्थित शालीमार एन्क्लेव के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में अष्टान्हिका महापर्व के उपलक्ष्य में 'श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान' का भव्य शुभारंभ हुआ। 23 फरवरी से 3 मार्च तक चलने वाला यह आयोजन उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी एवं मुनि श्री विश्वसाम्य सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है। विधान का प्रारंभ सोमवार प्रातः भगवान आदिनाथ की भव्य पालकी यात्रा एवं घटयात्रा के साथ हुआ। गाजे-बाजे के साथ क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से भ्रमण कर पालकी पुनः मंदिर पहुंची, जहाँ श्रद्धालुओं ने प्रभु की अगवानी की। मुख्य मांगलिक क्रियाएं बाल ब्रह्मचारी आशीष भैया के कुशल निर्देशन में संपन्न हुईं।

पुण्यार्जक परिवार एवं सहभागिता

विधान का सौजन्य पारस जैन कांसल एवं मधु जैन कांसल परिवार को प्राप्त हुआ है, जबकि ध्वजारोहण का सौभाग्य अनिल एवं रेखा जैन परिवार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा कर विश्व शांति की कामना की गई। इस अवसर पर संभव जैन, गौरव जैन, राजकुमार गुड्डू सहित कमला नगर समाज के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि 24 फरवरी से प्रतिदिन अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं महाराज श्री के प्रवचनों का क्रम जारी रहेगा।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सिटी ने प्रभु धाम आश्रम में जीव सेवा कर बेजुबानों को खिलाया आहार

भिंड. शाबाश इंडिया

'परस्परोपग्रहो जीवानाम्' के सिद्धांत को चरितार्थ करते हुए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सिटी, भिंड के सदस्यों ने इंसानियत समिति द्वारा संचालित प्रभु धाम आश्रम में जीव सेवा का आयोजन किया। प्राणी मात्र की सेवा के संकल्प के साथ संस्था के सदस्यों ने आश्रम में आश्रय ले रहे घायल पशु-पक्षियों की सेवा कर मानवता का संदेश दिया। आश्रम में वर्तमान में घायल स्वान (कुत्ते), बंदर, कबूतर, बिल्ली एवं खरगोशों का उपचार और पालन-पोषण किया जा रहा है। संस्था के सचिव आयशा-अंशुल जैन ने समिति के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि घायल बंदरों और श्वानों की सेवा करना अत्यंत कठिन कार्य है, जिसे इंसानियत समिति समर्पण भाव से निभा रही है। संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र-पूनम जैन ने बताया कि ग्रुप के सदस्यों ने आश्रम में रह रहे जीवों को आटा, ब्रेड, टोस्ट, दूध, केला, धनिया और गाजर आदि अपने हाथों से खिलाकर जीव दया का संदेश दिया। कार्यक्रम संयोजक नवीन-अंजू जैन ने कहा कि यह सेवा प्रकल्प निरंतर जारी रहेगा और संस्था भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के समापन पर कोषाध्यक्ष रविंद्र-सुधा जैन एवं परम संरक्षक अशोक-जया जैन ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। सेवा कार्य में लगभग 50 सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

राजवंश स्कूल में विराट हिंदू सम्मेलन के कार्यकर्ताओं और व्यापारियों का सम्मान संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

बरकत नगर स्थित राजवंश पब्लिक स्कूल के प्रांगण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित 'विराट हिंदू सम्मेलन' के सफल समापन पर कार्यकर्ता सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में प्रताप बस्ती क्षेत्र में आयोजित इस भव्य सम्मेलन को सफल बनाने में आदर्श बाजार व्यापार मंडल (बरकत नगर) के व्यापारियों, स्थानीय प्रशासन और संघ के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम संयोजिका एवं स्कूल की निदेशक श्रीमती सीता चौहान ने सभी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों को स्मृति चिह्न भेंट कर उनके योगदान की सराहना की। स्कूल के सचिव अनिमेष चौहान ने सभी अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि कार्यकर्ताओं की निष्ठा और व्यापार मंडल के सहयोग से ही यह विराट सम्मेलन ऐतिहासिक सिद्ध हुआ। प्रधानाचार्य नवल जैन ने कार्यक्रम के अंत में पधारे हुए सभी गणमान्य अतिथियों, स्थानीय निवासियों और कार्यकर्ता टीम का आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन राष्ट्रभक्ति और सामाजिक एकजुटता के संकल्प के साथ हुआ।